Guru Jambheshwar University of Science & technology Hisar.
In news In August 2019

उठाया कदम | कैंपस से निकलने वाले कचरे के निस्तारण के लिए कमेटी गठित, निगम अधिकारियों ने की बैठक

जीजेयू गीले कचरे के निपटान के लिए लगाएगी कंपोस्टिंग यूनिट

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। गुरु जंभेश्वर यूनिवर्सिटी (जीजेयू) अब कैंपस से निकलने वाले कचरे का अपने स्तर पर निस्तारण करेगी। यही नहीं कैंपस में गीले कचरे के निस्तारण के लिए कंपोस्टिंग यूनिट लगाई जाएगी, जिसकी मदद से गीले कचरे को खाद में तब्दील किया जाएगा। इस कार्य के लिए यूनिवर्सिटी प्रशासन ने एक कमेटी का गठन भी किया जाएगा, जो पूरे प्रोजेक्ट को सिरे चढ़ाएगी।

बता दें कि नगर निगम के आदेशों के मुताबिक जिस भी संस्थान से प्रतिदिन 50 किलो से ज्यादा कचरा निकलता हैं, अब उन संस्थानों को अपने स्तर पर कचरे का निपटान करना होगा। जीजेयू कैंपस से भी प्रतिदिन इतना कचरा निकलता है तो उस पर निगम का यह नियम लागू होगा। इस नियम के तहत निगम अधिकारियों ने उस संस्थानों के अधिकारियों के साथ मीटिंग की थी, जो प्रतिदिन 50 किलो से ज्यादा कचरा निकालते हैं। इस मीटिंग में उन संस्थानों को बताया कि भविष्य में उन किस ढंग से सूखे व गीले कचरे को अलग-अलग करना है। साथ ही गीले कचरे का किस ढंग से निपटान करना है। मीटिंग में एक-दो प्राइवेट एजेंसियों के अधिकारी भी रहे, जिन्होंने कचरे के निपटान को लेकर विभिन्न टेक्नोलॉजी से अवगत कराया।

जीजेयू कैंपस।

कमेटी की देखरेख में होगा पूरा काम

यूनिवर्सिटी प्रशासन ने इस कार्य के लिए एक कमेटी का गठन भी किया है। पर्यावरण विज्ञान एवं इंजीनियरिंग विभाग के एचओडी डॉ. आर बास्कर को इस कमेटी का प्रमुख बनाया गया है। यह कमेटी कैंपस में कचरे के निपटान के प्रोजेक्ट को सिरे चढ़ाएगी और इस पर पूरी नजर रखेगी।

मशीन से गीले कचरे को खाद में बदलेंगे

यूनिवर्सिटी प्रशासन के मुताबिक निगम के साथ हुई मीटिंग में एक मशीन का डेमो दिखा गया था। यह मशीन गीले कचरे को 20 दिनों में खाद में बदल देती है। यूनिवर्सिटी प्रशासन इस मशीन को खरीदने पर विचार कर रहा है। इसके अलावा यूनिवर्सिटी कैंपस में सूखे व गीले कचरे के लिए अलग-अलग रंग के डस्टबिन रखवाए जाएंगे, ताकि सूखे व गीले कचरे को आसानी से अलग-अलग करने में कोई मुश्किल न हो।

*" यूनिवर्सिटी में गील कचरे के निस्तारण के लिए कंपोस्टिंग यूनिट लगाई जाएगी। इसके लिए एक मशीन खरीदने पर विचार-विमर्श चल रहा है। वैसे वाइस चांसलर की तरफ से इसके लिए हमें मंजूरी मिल चुकी है। - **रघुबीर सिंह, एक्सईएन, पब्लिक हेल्थ, जीजेयू***

अमर उजाला- 3/8/19

कार्यक्रम • जीजेयू में इनहाउस समर ट्रेनिंग-कम-इंटर्नशिप संपन्न, 'वाइस कंट्रोल्ड होम ऑटोमेशन एंड रोबोट कार कंट्रोलिंग प्रोजेक्ट रहा फर्स्ट

घर से दूर एप पर केवल आवाज से ऑन-ऑफ कर सकेंगे बिजली उपकरण, रोबोट कार भी दौड़ा सकेंगे

भास्कर न्यूज | हिसार

एप से यूजर की आवाज से दूर स्थित घर के विद्युत उपकरणों को ऑन या ऑफ किया जा सकता है और इसी एप के जरिए रोबोट कार को विभिन्न दिशाओं में गतिमान किया अथवा रोका जा सकता है। यह सब संभव हुआ है जीजेयू के स्टूडेंट्स की ओर से बनाए गए 'ऑटोमेशन व रोबोटिक्स' श्रेणी में बनाए गए 'वाइस कंट्रोल्ड होम ऑटोमेशन एंड रोबोट कार कंट्रोलिंग यूजिंग आई.पी. एड्रेस' प्रोजेक्ट के जरिए, इस प्रोजेक्ट को प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ। इस प्रोजेक्ट को अमनदीप, सुरेश, श्रीराम व बलराम के द्वारा तैयार किया गया। जीजेयू में ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सैल की ओर से पंडित दीनदयाल उपाध्याय इनोवेशन एंड इक्यूबेशन सेंटर के सहयोग से विवि के चौधरी रणबीर सिंह सभागार में 42 दिवसीय इनहाउस समर ट्रेनिंग-कम-इंटर्नशिप कार्यक्रम का समापन हुआ। बतौर मुख्यातिथि कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने शिरकत की। इस अवसर पर प्रो. योगेश चाबा, प्रो. अशोक चौधरी और प्रो. दीपक केडिया उपस्थित रहे।

स्टूडेंट्स के प्रोजेक्ट्स चेक करते हुए वीसी प्रो. टंकेश्वर कुमार

विभिन्न श्रेणियों में इन्हें मिला प्रथम पुरस्कार

- 'मशीन लर्निंग यूजिंग पाईथन लैंग्वेज' श्रेणी में करण, निहारिका, सुषमा, योगिता व शिवम के 'चैट बोट' प्रोजेक्ट को प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ। यह सिस्टम दुकानदार के विकल्प के रूप में ग्राहकों से बात करता है और ग्राहकों को पुरानी खरीदारी के आधार पर स्टोर में नई आई वस्तुओं का सुझाव भी देता है और बहुत बड़ी संख्या में भी ग्राहकों की जिज्ञासा का समाधान करता है।
- इस श्रेणी में 'स्मार्ट गार्बेज बिन' प्रोजेक्ट के तहत स्मार्ट कूड़ेदान बनाया जोकि किसी व्यक्ति के नजदीक आते ही खुलता है, यदि उसमें कूड़ा डालने की जगह बची है।
- इन प्रोजेक्ट के अलावा चुनाव में किस प्रत्याशी के जीतने की संभावना है, पिछले डाटा के आधार पर किसी ट्रेन के कितनी देरी से आने की संभावना है, किसी कॉलेज के विद्यार्थियों के नौकरी प्राप्त करने की कितनी संभावनाएं हैं, क्रिकेट में किसी टीम के जीतने की संभावना कितनी है इस प्रकार के प्रोजेक्ट अन्य टीमों ने बनाए।

वर्ल्ड कप सेमीफाइनल में टीम हारी तो जीजेयू के स्टूडेंट्स ने निकाला बेस्ट टीम चुनने का फॉर्मूला

सुभाष चंद्र | हिसार

क्रिकेट वर्ल्ड कप 2019 में न्यूजीलैंड से इंडिया टीम के हारने पर जीजेयू के कुछ स्टूडेंट्स इस कदर निराश हुए कि उन्होंने वर्ल्ड कप जीतने के लिए बेस्ट टीम चुनने का फार्मूला ढूंढ़ निकाला। इस प्रोग्राम का नाम उन्होंने क्रिकेट परफॉरमेंस प्रिडिक्शन प्रोजेक्ट दिया है। यह मैच से पहले क्रिकेट की फाइनल इलेवन टीम को तैयार करने में अहम भूमिका निभाएगा। जीजेयू के कंप्यूटर साइंस विभाग के फाइनल ईयर के स्टूडेंट्स रजत की लीड में अंकित जैन, अभिषेक, पूनीत, सागर ने मिलकर यह प्रोजेक्ट तैयार किया है। इनका कहना है कि इंडिया में क्रिकेट सिर्फ एक गेम नहीं है एक इमोशन है। जीजेयू में पंडित दीनदयाल उपाध्याय इनोवेशन एंड इक्यूबेशन सेंटर के सहयोग से विश्वविद्यालय के चौधरी रणबीर सिंह सभागार में 42 दिवसीय इनहाउस समर ट्रेनिंग-कम-इंटर्नशिप के समापन के दिन इन प्रोजेक्ट को प्रदर्शित किया गया।

72 % तक रहती है एक्यूरेसी

रजत व अन्य टीम मेंबर ने बताया कि इस प्रोजेक्ट में बैट्समैन का सक्सेस एक्यूरेसी रेट 65 से 72 प्रतिशत है तो बॉलर का एक्यूरेसी रेट 45 से 50 प्रतिशत है। इस प्रोजेक्ट के जरिये बेस्ट वन-डे इलेवन टीम तैयार की जा सकती है, कौन सा प्लेयर किस कंपीटिशन में कैसी परफॉरमेंस देगा। इस बात को पहले ही अनुमान किया जा सकता है। जिससे एक बेस्ट टीम का चुनाव किया जा सकता है।

डाटा के आधार पर अनुमान

इस प्रोजेक्ट में बैट्समैन व बॉलर के पिछले प्रदर्शन के आधार पर उनका डाटा तैयार किया जाता है। रजत ने बताया कि उन्होंने वर्ल्ड कप की 10 टीमों के डाटा को इसमें लिया है। इनमें बॉलर व बैट्समैन किस टीम के खिलाफ, किस मैदान पर कितने रन बना सकते हैं या कोई बॉलर कितने विकेट ले सकता है, इन बातों के बारे में पता लगाया जाता है।

इस तरह से करता है काम: मशीन यूजिंग लर्निंग पाइथन एक प्रोग्रामिंग लैंग्वेज है। इसमें हर टीम की डाटा फाइल सीएसवी की फॉर्म में सेव की जाती है। इन्हीं फाइलों के आधार पर हर खिलाड़ी की परफॉरमेंस के आधार पर इनिंग बाई इनिंग का रिकॉर्ड होता है। इसमें चार सेक्टर कंसिस्टेंसी, फॉर्म, ग्राउंड, अपॉजिशन है। उदाहरण के तौर पर यदि श्रीलंका के मुकाबले में भारत को खेलना है तो इस प्रोजेक्ट के जरिए 15 रिजर्व प्लेयर में से ग्राउंड, टीम के खिलाफ प्रदर्शन, फॉर्म व प्लेयर के प्रदर्शन के देखते हुए बेस्ट 11 टीम को सिलेक्ट किया जा सकता है।

दैनिक भास्कर- 10/8/19

इनोवेशन तभी सफल जब वह उपयोग तक पहुंचे : प्रो. टंकेश्वर

गुजवि में इनहाउस समर ट्रेनिंग-कम-इंटर्नशिप कार्यक्रम में 105 विद्यार्थियों की 24 टीमों ने लिया भाग, चैट बोट वॉइस कंट्रोल्ड होम ऑटोमेशन प्रोजेक्ट्स पुरस्कृत

जागरण संवाददाता, हिसार : गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि कोई भी इनोवेशन तभी सफल होता है जब वो उत्पाद के रूप में बाजार में आए और लोग उसका उपयोग करें। हर व्यक्ति के पास एक आइडिया होता है। जरूरत है उस आइडिया को विकसित कर अंजाम तक पहुंचाने की। आइडिया के साथ जोखिम लेने की क्षमता भी होनी चाहिए।

प्रो. टंकेश्वर कुमार ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के सौजन्य से पंडित दीनदयाल उपाध्याय इनोवेशन एंड इक्यूबेशन सेंटर के सहयोग से विश्वविद्यालय के चौधरी रणबीर सिंह सभागार में हुए 42 दिवसीय इनहाउस समर ट्रेनिंग-कम-इंटर्नशिप कार्यक्रम के समापन समारोह को बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। समारोह की अध्यक्षता ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के निदेशक प्रताप सिंह मलिक ने की।

फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नॉलोजी के अधिष्ठाता प्रो. योगेश चाबा, पंडित दीनदयाल उपाध्याय इनोवेशन एंड इक्यूबेशन सेंटर के निदेशक प्रो. अशोक चौधरी और उप निदेशक प्रो. दीपक केडिया उपस्थित रहे। इंजीनियरिंग स्टाफ कालेज ऑफ इंडिया, हैदराबाद के आइटी विशेषज्ञ डा. सैयद अली असगर व ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सैल के सहायक निदेशक आदित्यवीर सिंह भी उपस्थित रहे।

गुजवि में रोबोटिक्स प्रोजेक्टस को देखते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार एवं अन्य। • जागरण

ट्रेनिंग कार्यक्रम के थे दो विषय : प्रताप मलिक : ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के निदेशक प्रताप सिंह मलिक ने बताया कि इस ट्रेनिंग कार्यक्रम के दो विषय थे। मशीन लर्निंग यूजिंग पाइथन लैंग्वेज में 67 विद्यार्थियों की 13 टीमों ने और ऑटोमेशन व रोबोटिक्स विषय में 38 विद्यार्थियों की 11 टीमों ने ट्रेनिंग पूर्ण की। उन्होंने प्रतिभागी विद्यार्थियों से प्रोजेक्ट पर कार्य जारी रखने और इनोवेशन एंड इनक्यूबेशन सेंटर के सहयोग से इनको स्टार्ट-अप श्रेणी की गुणवत्ता तक ले जाने का आह्वान किया। ट्रेनिंग के अंत में सभी टीमों द्वारा इनोवेटिव प्रोजेक्टस पर भी काम किया गया जिनका मूल्यांकन इंजीनियरिंग स्टाफ कालेज ऑफ इंडिया, हैदराबाद के विशेषज्ञों ने किया।

ग्लोबल इनोवेशन इंडेक्स में भारत की स्थिति सुधरी

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि ग्लोबल इनोवेशन इंडेक्स में भारत की स्थिति में सुधार हुआ है। भारत इस वर्ष इस सूची में 57वें स्थान से 51वें स्थान पर आ गया है। इस स्थिति को और अधिक सुधारने की आवश्यकता है, क्योंकि ग्लोबल इनोवेशन इंडेक्स किसी देश की विकासशीलता का सूचक होता है। स्विट्जरलैंड अभी भी इस सूची पर प्रथम स्थान पर है। उन्होंने प्रतिभागियों से आह्वान किया कि वे इनोवेटिव आइडिया लेकर आएं। प्रो. अशोक चौधरी ने कहा कि पंडित दीनदयाल इनोवेशन एंड इंक्यूबेशन सेंटर इनोवेटिव आइडियाज को अगले पायदान तक ले जाकर अंतिम चरण तक पूरा करने में सहयोग करेगा। प्रो. योगेश चाबा ने कहा कि ने कहा कि लर्निंग तथा ऑटोमेशन एंड रोबोटिक दोनों तकनीकों का मिलकर काम करना आवश्यक है। मानव रहित स्टोर की स्थापना जैसी संकल्पनाएं इन दोनों तकनीकों के मेल से ही सार्थक हो पाई हैं।

मशीन लर्निंग यूजिंग पाइथन श्रेणी की विजेता टीम को सम्मानित करते कुलपति। • जागरण

इन दो प्रोजेक्टों को मिला प्रथम पुरस्कार

चैट बोट प्रोजेक्ट छाया : 'मशीन लर्निंग यूजिंग पाइथन लैंग्वेज' श्रेणी में करण, निहारिका, सुषमा, योगिता व शिवम के 'चैट बोट' प्रोजेक्ट को प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ। यह सिस्टम दुकानदार के विकल्प के रूप में ग्राहकों से बात करता है और ग्राहकों को पुरानी खरीददारी के आधार पर स्टोर में नई आई वस्तुओं का सुझाव भी देता है और बहुत बड़ी संख्या में भी ग्राहकों की जिज्ञासा का समाधान करता है। इसके अतिरिक्त चुनाव में किस प्रत्याशी के जीतने की संभावना सर्वाधिक है, पिछले डाटा के आधार पर किस ट्रेन के कितनी देरी से आने की संभावना है, किसी मूवी की सफलता की कितनी संभावनाएं हैं, क्रिकेट में किसी टीम के जीतने की संभावना कितनी है, इस प्रकार के प्रोजेक्ट अन्य टीमों ने बनाएं हैं।

आवाज से ऑन या ऑफ की जा सकेंगी लाइटें

इसी प्रकार 'ऑटोमेशन व रोबोटिक्स' श्रेणी में अमनदीप, सुरेश, श्रीराम व बलराम के 'वॉइस कंट्रोल्ड होम ऑटोमेशन एंड रोबोट कार कंट्रोलिंग यूजिंग आइपी एड्रेस' प्रोजेक्ट को प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ। इस प्रोजेक्ट में विद्यार्थियों द्वारा बनाई गई एप से यूजर की आवाज से दूर स्थित घर के विद्युत उपकरणों को ऑन या ऑफ किया जा सकता है और इसी एप के जरिए रोबोट कार को विभिन्न दिशाओं में गतिमान किया अथवा रोका जा सकता है। इनके अतिरिक्त इस श्रेणी में 'स्मार्ट गार्बेज बिन' प्रोजेक्ट के तहत स्मार्ट कूड़ेदान बनाया गया जो कि किसी व्यक्ति के नजदीक आते ही यह खुलता है, यदि उसमें कूड़ा डालने की जगह बची है।

दैनिक जागरण - 10/8/19

इंफ्रास्ट्रक्चर, लीडरशिप क्वालिटी, प्लेसमेंट व रिसर्च वर्क देखा गया

देशभर की टॉप 16 टेक्निकल यूनिवर्सिटी में अब जीजेयू पहुंची 13वें पायदान पर

भास्कर न्यूज | हिसार

जीजेयू को देशभर की टेक्निकल यूनिवर्सिटी में टॉप 16 में 13वां स्थान प्राप्त हुआ है। एक मैग्जीन द्वारा जारी की गई देशभर की टेक्निकल यूनिवर्सिटी की रैंकिंग में जीजेयू को पिछले वर्ष से 2 अंकों की बढ़ोत्तरी मिली है। जीजेयू को वर्ष 2018 में इस रैंकिंग में टेक्निकल यूनिवर्सिटीज में 15वां स्थान प्राप्त हुआ था। वहीं अबकी बार दो अंकों की बढ़ोतरी के साथ जीजेयू ने आंध्रप्रदेश, हिमाचल प्रदेश व गोरखपुर यूनिवर्सिटी को पीछे छोड़ते हुए 13वां स्थान हासिल किया।

एक मैग्जीन द्वारा जारी की गई रिपोर्ट में देशभर की 16 यूनिवर्सिटीज को एकेडमिक रिसर्च एक्सीलेंस, इनफ्रास्ट्रक्चर, लीडरशिप, प्लेसमेंट, क्वालिटी जैसे पैमानों पर अंक प्रदान किए जाते है। जिसमें कुल 2000 अंको के पैमाने पर टेक्निकल संस्थानों को स्कोर जारी किया जाता है। इस स्कोर के आधार देश की टेक्निकल यूनिवर्सिटी को रैंकिंग जारी की गई है।

इन पैमानों पर खरा उतरा विश्वविद्यालय

इन फील्ड्स में देखा गया काम	प्राप्त अंक	कुल अंक
▪ इंटेक क्वालिटी एंड गवर्ननेंस	130.3	208
▪ एकेडमिक रिसर्च एक्सीलेंस	84.1	250
▪ इनफ्रास्ट्रक्चर एंड लिविंग एक्सपीरियंस	109.7	175
▪ पर्सनालिटी एंड लीडरशिप डिवलपमेंट	81.8	150
▪ करियर प्रोग्रेसन एंड प्लेसमेंट	73.9	217
▪ ओब्जेक्टिव स्कोर	479.8	1000
▪ प्रसेप्चुअल स्कोर	534.1	1000
▪ ओवलऑल स्कोर	1013	2000

"जीजेयू स्टडी के क्षेत्र में निरंतर विकास कर रही है। इसी का परिणाम है कि यूनिवर्सिटी की रैंकिंग में निरंतर सुधार हो रहा है। आने वाले दिनों में कुछ नए प्रोजेक्ट्स शुरू किए है। जिससे यूनिवर्सिटी में रिसर्चव प्लेसमेंट में और अधिक बढ़ोतरी होगी।''
-प्रो. टंकेश्वर कुमार, वीसी, जीजेयू।

इसमें ज्यादा स्कोर किया

रैंकिंग में जीजेयू को इंटेक् क्वालिटी व इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए अधिकतम अंक मिले है। इंटेक क्वालिटी में 130.3 तथा इनफ्रास्ट्रक्चर के लिए 109.7 अंक हासिल किए है। इस लिस्ट में दिल्ली इंडियन इंस्टीटयूट ऑफ टेक्नोलॉजी को पहला नंबर मिला है।

दैनिक भास्कर - 14/8/19

जेयू स्टूडेंट्स ने बनाई स्किल पोर्ट एप, छात्रों की कमजोर स्किल्स इंप्रूव करने में मिलेगी म

जेयू के कंप्यूटर साइंस विभाग के रेनू, दिव्या, राहुल नंदा, ज्योति रानी, ज्योति ने तैयार किया एप; जिसकी मदद से यूनिवर्सिटी और कॉलेज में बढ़ सकेगी जॉब प्लेसमें

भास्कर न्यूज़ | हिसार

ट्स में वो स्किल्स जिनकी कमी कारण उन्हें किसी कंपनी में जॉब मिलती, उनका पता लगाकर दूर जा सकता है। जिससे किसी वर्सिटी और कॉलेज में प्लेसमेंट ई जा सकती है। यह सब संभव है जीजेयू के स्टूडेंट्स द्वारा र स्किल पोर्ट नाम की एप से। जेयू के कंप्यूटर साइंस विभाग के नल ईयर की स्टूडेंट रेनू, दिव्या, ल नंदा, ज्योति रानी, ज्योति ने एप तैयार किया है। इस एप जरिये स्टूडेंट्स जिस स्किल में कमजोर होते हैं, उन पर वर्क किया जाता है और उस स्किल को इंप्रूव करके स्टूडेंट्स को रोजगार पाने योग्य बनाया जाता है। इस प्रोजेक्ट के गाइड पवन रहे व कॉर्डिनेटर की भूमिका प्रो. अमनदीप ने निभाई।

जीजेयू के स्टूडेंट्स जिन्होंने स्किल्स पोर्ट एप बनाई।

रेनू ने स्टूडेंट्स की टीम को लीड किया

प्रोजेक्ट तैयार करने वाली स्टूडेंट रेनू ने बताया कि पिछले कई वर्षों से देखने में आया कि बहुत से स्टूडेंट सिर्फ इसलिए जॉब पाने से वंचित रह जाते हैं कि वो किसी ना किसी स्किल में कमजोर होते हैं। हमने इस एप के जरिये स्टूडेंट्स में कौन सी क्वालिटी है और कौन सी कमियां हैं, इसके आधार पर डाटा एकत्रित किया है। एप के अंदर एक हजार स्टूडेंट्स का डाटा डालकर हमने इसका ट्रायल किया है जो सफल रहा है। ट्रायल के लिए हमने एक प्रसिद्ध कंपनी की रिक्वायरमेंट स्किल्स पर स्टूडेंट्स को परखा है। स्टूडेंट्स का डाटा एप में डाला गया, जिससे सामने आया कि ऐसी बहुत सी स्किल्स है जिनमें स्टूडेंट्स को इंप्रूव करने की जरूरत है।

रोजगार में होगा सहायक

स्टूडेंट्स द्वारा तैयार की गई इस एप में कई कंपनियों का डाटा डाला जा सकता है, जो स्टूडेंट्स विभिन्न स्किल्स में कमजोर रहते हैं, उन स्टूडेंट्स को ट्रेंड करने के टिप्स भी एप में दिए गए हैं। स्टूडेंट्स के विभिन्न स्किल्स में ट्रेंड होने पर एप एनालिसिस कर अपडेट जानकारी देगा। जो स्टूडेंट्स को रोजगार दिलाने में सहायक होगी।

आइए जानते हैं किस तरीके से स्किल्स के लिए दी गई है नंबि

स्टूडेंट्स को विभिन्न स्किल्स पर 0 से 10 अंक पर मार्क्स दिए गए हैं। ये मार्क्स स्टूडेंट्स में पिछले चार वर्षों की परफॉरमेंस के लिए दिए गए हैं।

नाम	ग्रेजुएशन	कम्यूनिकेशन स्किल्स	एप्टीट्यूड	टेक्निकल	बैकलॉग	सैल
आदित्य	65%	0.3	0.5	0.7	0	4
रुचि	75%	0.5	0.8	0.6	1	3

स्किल्स का इस डेटा से पता लगाया जाएगा

स्टूडेंट्स के लिए बेस पैरामीटर जैसे विभिन्न टेक्निकल व प्रैक्टिकल वर्कशॉप, मंथली कंपीटिशन, एमकेट टेक्निकल एप्टीट्यूड टेस्ट, मंथली कम्युनिकेशन कंपीटिशन की प्रत्येक स्टूडेंट्स की डिटेल एप में डाली गई हैं। इससे पता लगेगा स्टूडेंट किस कंपनी के लिए क्वालिफाई कर सकते हैं।

ये हैं कंपनी के पैमाने

- टेक्निकल स्किल्स
- कम्यूनिकेशन स्किल्स
- एप्टीट्यूड

दैनिक भास्कर - 20-8-2019

जेयू: इंजीनियरिंग कोर्सेस में अबकी बार 125 अधिक दाखिले

4 वर्षों में 3 करोड़ अतिरिक्त आय का अनुमान

भास्कर न्यूज़ | हिसार

जीजेयू में दाखिले को लेकर स्टूडेंट्स में उत्साह देखने को मिला। विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग कोर्सों में इस बार पिछले साल के मुकाबले 125 अधिक दाखिले हुए हैं। इससे विवि को आगामी चार वर्षों में लगभग तीन करोड़ रूपए की अतिरिक्त आय होगी। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व कुलसचिव डॉ. अनिल कुमार पुंडीर ने इंजीनियरिंग विभागों तथा दाखिला कमेटी को बधाई दी।

दाखिला कमेटी के अध्यक्ष डॉ. अंजन कुमार बराल ने बताया कि इस वर्ष इंजीनियरिंग कोर्सों में कुल 712 नए दाखिले हुए हैं। पिछले वर्ष यह संख्या 587 थी। बीटेक प्रथम वर्ष में पिछले सत्र 452 के मुकाबले इस बार 545 दाखिले हुए। बीटेक लीट में पिछले वर्ष 135 दाखिले हुए थे और इस वर्ष 167 दाखिले हुए हैं। इस वर्ष विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग कोर्सों में पांच विदेशी स्टूडेंट्स ने भी दाखिला लिया है, जिनमें एक यूएसए से, तीन बंगला देश से तथा एक नेपाल से है। प्रधानमंत्री विशेष छात्रवृत्ति योजना के तहत आठ विद्यार्थियों ने भी विवि में दाखिला लिया है। इस वर्ष विद्यार्थियों की शैक्षणिक गुणवत्ता भी बढ़ी है। पिछले वर्ष जेईई/ओलीट रैंक विद्यार्थियों की संख्या में बढ़ोत्तरी हुई है। इंजीनियरिंग कोर्सेस में केवल नौ प्रतिशत विद्यार्थी ऐसे हैं जो रैंक धारक नहीं हैं। इंजीनियरिंग के अधिकतर कोर्सों की सभी सीटें भर गई हैं। डॉ. बराल ने बताया कि इंजीनियरिंग कोर्सों में दाखिले के प्रति बढ़ा रुझान विवि के लगातार बढ़ रहे उच्च होते स्तर को रेखांकित करता है। पिछले कुछ वर्षों में विश्वविद्यालय ने हर क्षेत्र में उल्लेखनीय विकास किया है।

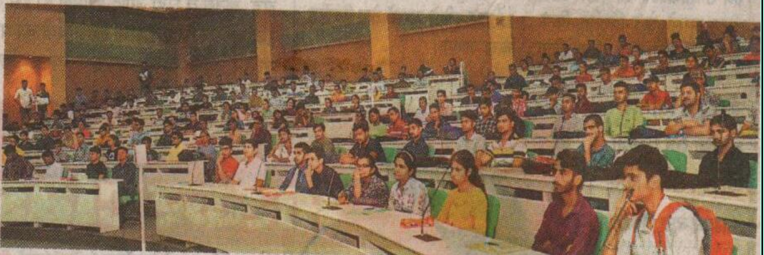

जीजेयू में बीटेक स्टूडेंट्स के लिए आयोजित किए गए इंडक्शन कार्यक्रम के दौरान उपस्थित स्टूडेंट्स।

सफलता हासिल करने को लक्ष्य निर्धारित करें: प्रो. विशाल

हिसार | जीजेयू के बीटेक प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों के इंडक्शन कार्यक्रम विश्वविद्यालय के चौधरी रणबीर सिंह सभागार में लिए सोमवार को शुरू हुआ। यह कार्यक्रम तीन सप्ताह तक चलेगा। कार्यक्रम संयोजक प्रो. विशाल गुलाटी ने बताया कि सुबह इंडक्शन कार्यक्रम के लिए विद्यार्थियों का पंजीकरण किया गया। उन्होंने बताया कि अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद के अनुरूप हो रहे कार्यक्रम का उद्देश्य बीटेक में दाखिला लेने वाले नव आगंतुक विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय के वातावरण से परिचित करवाना है। इस कार्यक्रम का आयोजन दो सत्रों में हो रहा है। प्रथम सत्र में इंडक्शन कार्यक्रम की महत्ता और कार्यक्रम की रूपरेखा के बारे में विद्यार्थियों को अवगत कराया। प्रो. दीपक केडिया ने विद्यार्थियों को 'जीवन में सफलता के रहस्य' विषय पर विद्यार्थियों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि जीवन में सफलता हासिल करने के लिए लक्ष्य निर्धारित करें। विद्यार्थी सच्ची लगन व मेहनत से कार्य करें। स्टूडेंट्स को एकाग्रता लाने की विभिन्न प्रणालियों के बारे में जानकारी दी गई और खेलों में टीम वर्क की महत्ता के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

दैनिक भास्कर - 20-8-2019

गुजवि में गुरु नानक देव के प्रकाश पर्व पर कार्यक्रम में वीसी प्रो. टंकेश्वर ने कहा

हिन्दू धर्म की रक्षा में सिख योद्धाओं का महान योगदान

- गुजवि में किया गतका कला का शानदार प्रदर्शन
- कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बाबा बंदा बहादुर गतका दल को सम्मानित किया

हिसार। कला प्रदर्शन के दौरान प्रस्तुति देते बाबा बंदा बहादुर गतका दल के सदस्य। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में महान संत एवं सिख प्रवर्तक गुरु नानक देव जी के 550वें प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य पर विशेष कार्यक्रमों की श्रृंखला के तहत बुधवार की शाम को गतका कला प्रदर्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार कार्यक्रम के मुख्यातिथि थे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डा. अनिल कुमार पुंडीर भी उपस्थित रहे। गतका कला का प्रदर्शन बाबा बंदा बहादुर गतका दल लोहारी राघो द्वारा किया गया। यह कार्यक्रम विश्वविद्यालय के पंडित दीनदयाल उपाध्याय कंप्यूटर एंड इंफोर्मेटिक्स सेंटर के सौजन्य से किया गया।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने सम्बोधन में कहा कि गुरु नानकदेव जी भारत ही नहीं, संसार के महान संत थे। उनकी शिक्षाएं मानव कल्याण के लिए श्रेष्ठ शिक्षाएं हैं। गुरु जम्भेश्वर जी महाराज और गुरु नानकदेव जी लगभग समकालीन थे।

गतका एक अत्यंत समृद्ध युद्ध कौशल कला है। विदेशी आक्रमणकारियों से लोहा लेने के लिए सिख गुरुओं ने सिख योद्धाओं की टुकड़ियां तैयार की थी। संख्या में कम होने के बावजूद भी युद्ध कौशल में निपुणता के चलते सिख योद्धा अपने से बड़ी संख्या की सेनाओं को धूल चटा देते थे। गतका कौशल आज भी भारत में विशेषकर पंजाब में अत्यंत लोकप्रिय है। उन्होंने कहा कि हिन्दू धर्म की रक्षा में सिख योद्धाओं का बड़ा योगदान है। सिख योद्धाओं के कारण हिन्दू धर्म बचा है।

गतका दल ने हैरतअंगेज करतब दिखाए

गतका दल ने शानदार कला का प्रदर्शन किया। लाठी, तलवार व अन्य हथियारों को चलाते हुए युद्ध कला प्रस्तुत की। इसके अतिरिक्त शारीरिक क्षमता से सम्बंधित कलाओं का प्रदर्शन भी इस दल द्वारा किया गया। दल के सदस्यों ने अपनी प्रस्तुतियों के दौरान अत्यंत हैरतअंगेज कारनामे दिखाए। उपस्थित जनसमूह ने इस कला का भरपूर आनंद लिया।

दल को मिला सम्मान

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बाबा बंदा बहादुर गतका दल को सम्मानित किया। इस अवसर पर छात्रा महिमा ने भक्तिगीत प्रस्तुत किया। धन्यवाद प्रस्ताव पंडित दीनदयाल उपाध्याय कंप्यूटर एंड इंफोर्मेटिक्स सैंटर के निदेशक मुकेश अरोड़ा ने प्रस्तुत किया। इस अवसर पर बंदा बहादुर सिख सम्प्रदाय के निदेशक सरदार दत्ता सिंह भी मौजूद थे।

हरिभूमि - 22/8/19

गुजवि में स्थापित होगा 363 खेजड़ी वृक्षाभयारण्य

जागरण संवाददाता, हिसार : गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में खेजड़ली महाबलिदान के शहीदों की याद में 363 खेजड़ी के पौधे रोपित किए जाएंगे। बलिदानियों की याद में उनसे संबंधित अन्य जानकारियां भी खेजड़ली महाबलिदान अभ्यारण में प्रदर्शित की जाएंगी। गुरु जम्भेश्वर महाराज के 569वें जन्मोत्सव व श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के उपलक्ष्य पर शुक्रवार को विश्वविद्यालय के धार्मिक अध्ययन संस्थान के सौजन्य से कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

गुरु जम्भेश्वर महाराज की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करते कुलसचिव डा. अनिल कुमार पुंडीर। ● जागरण

गुरु जम्भेश्वर धार्मिक अध्ययन संस्थान के सौजन्य से हुए हवन यज्ञ में मुख्य यजमान की भूमिका विश्वविद्यालय के कुलसचिव डा. अनिल कुमार पुंडीर ने निभाई। इस दौरान धार्मिक अध्ययन संस्थान के अधिष्ठाता एवं विभागाध्यक्ष प्रो. किशनाराम बिश्नोई भी उपस्थित रहे। कुलसचिव डा. अनिल कुमार पुंडीर ने खेजड़ी का पौधारोपित कर पौधारोपण अभियान की शुरूआत भी की। प्रो. किशनाराम बिश्नोई ने बताया कि लगभग 200 साल पहले जोधपुर रियासत के गांव खेजड़ली में गुरु जम्भेश्वर महाराज के 363 अनुयायियों ने पेड़ों की रक्षा के लिए बलिदान दिया था। यह विश्वविद्यालय गुरु जम्भेश्वर महाराज के नाम पर स्थापित है इसलिए इस विश्वविद्यालय में उन शहीदों की यादों को सहेजा जाएगा। हवन यज्ञ का संचालन नेकीराम बिश्नोई ने किया। यज्ञ उपरांत सिद्धि कुमारी ने गुरु जम्भेश्वर महाराज के जीवन पर प्रकाश डालते हुए खेजड़ली महाबलिदान की घटना के बारे में भी बताया। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डा. अनिल कुमार, राष्ट्रीय केडेट कोर के समन्वयक डा. राजीव कुमार, बिश्नोई सभा के प्रधान प्रदीप बेनीवाल, पूर्व प्रधान सुभाष रेड्डू, अखिल भारतीय सेवक दल के प्रधान सहदेव कालीरावण आदि मौजूद थे।

श्रीराम के जीवन से जुड़ी घटनाओं बारे खगोलीय तकनीक से मिली जानकारियां : प्रो. टंकेश्वर

■ **कहा-भारत को अनुसंधान के क्षेत्र में भी और आगे ले जाने की जरूरत**

हिसार, 26 अगस्त (ब्यूरो): गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा है कि तकनीक मानव के इतिहास जितनी ही पुरानी है। तकनीक विज्ञान से पहले आई। विज्ञान किसी भी चीज को व्यवस्थित रूप से समझने का एक तरीका है। प्रो. टंकेश्वर कुमार विश्वविद्यालय में बी.टैक. प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए चल रहे इंडक्शन कार्यक्रम को बतौर विषय विशेषज्ञ सम्बोधित कर रहे थे।

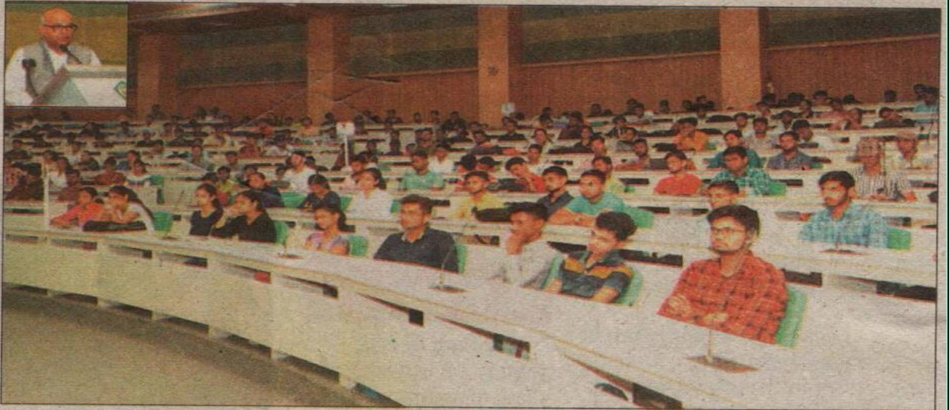

कार्यक्रम में उपस्थित विद्यार्थी व (इनसैट में) गुजवि में इंडक्शन कार्यक्रम में सम्बोधित करते कुलपति प्रो.टंकेश्वर कुमार।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कार्यक्रम के संयोजक प्रो.विशाल गुलाटी ने की। प्रो.टंकेश्वर कुमार ने विज्ञान के विकास को समझाया। उन्होंने कहा कि विज्ञान अवलोकन से शुरू होकर अनुभव, खोज, नियम, समीकरण, उपकरण तथा सिमुलेशन आदि से गुजरती है। प्रो.टंकेश्वर कुमार ने कहा कि भारत की प्राचीन शिक्षा व्यवस्था अत्यंत समृद्ध थी। हमें इसे फिर से वर्तमान संदर्भों में स्थापित व विकसित करना है। उन्होंने कहा कि भारत का खगोलीय विज्ञान भी अत्यंत समृद्ध था। खगोलीय परिस्थितियों के माध्यम से हम 25 हजार साल तक की घटनाओं की सही तिथियों की जानकारी हासिल कर सकते हैं। श्रीराम के जन्म व जीवन से जुड़ी घटनाओं के बारे में खगोलीय तकनीक के माध्यम से बहुत कुछ जानकारियां प्राप्त हुई हैं। प्रो.टंकेश्वर कुमार ने कहा कि भारत को अनुसंधान के क्षेत्र में भी और आगे ले जाने की जरूरत है। विश्व अनुसंधान इंडैक्स में हमारा स्थान अभी भी 51वां हैं। हालांकि, 2018 के मुकाबले हमारी स्थिति में 6 पायदानों का सुधार हुआ है। 2018 में भारत इस इंडक्स में 57वें स्थान पर था। स्विट्जरलैंड पहले तथा स्वीडन दूसरे स्थान पर हैं। जबकि पड़ोसी देश चीन इस सूची में 14वां स्थान रखता है। हालांकि, पाकिस्तान 105वां तथा बंगलादेश 116 स्थान रखता है। कार्यक्रम संचालन डा.राकेश बिसला ने किया। इस अवसर पर डा.मोहित व डा.संदीप जिन्दल भी उपस्थित थे।

पंजाब केसरी - 27-8-2019

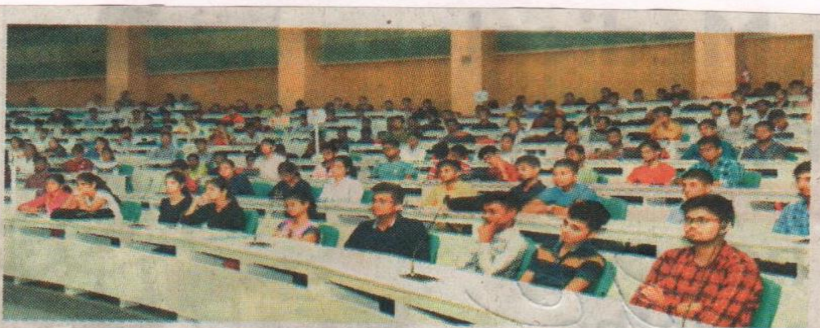

सोमवार को जीजेयू में इंडक्शन कार्यक्रम के दौरान उपस्थित छात्र व छात्राएं।

तकनीक विज्ञान से पहले आई : प्रो. टंकेश्वर

इंडक्शन कार्यक्रम में बोले- तकनीक मानव के इतिहास जितनी ही पुरानी

भास्कर न्यूज़ | हिसार

गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में सोमवार को इंडक्शन कार्यक्रम जारी हुआ। इसमें कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार बतौर विषय विशेषज्ञ हिस्सा लिया। उन्होंने कहा कि तकनीक मानव के इतिहास जितनी ही पुरानी है। तकनीक विज्ञान से पहले आई। विज्ञान किसी भी चीज को व्यवस्थित रूप से समझने का एक तरीका है। प्रो. टंकेश्वर कुमार विश्वविद्यालय में बीटेक प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए चल रहे इंडक्शन कार्यक्रम को बतौर विषय विशेषज्ञ संबोधित कर रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कार्यक्रम के संयोजक प्रो. विशाल गुलाटी ने की। विज्ञान के विकास को समझाया। उन्होंने कहा कि विज्ञान अवलोकन से शुरू होकर अनुभव, खोज, नियम, समीकरण, उपकरण तथा सिमुलेशन आदि से गुजरती है। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि जो आप सोचते हैं वो हो सकता है। उससे आप कर भी सकते हैं। जरूरत है, सही दिशा में आगे बढ़ने की। कार्यक्रम संचालन डॉ. राकेश बिसला ने किया। धन्यवाद प्रस्ताव डॉ. मोहित ने प्रस्तुत किया।

दैनिक भास्कर - 27-8-2019

फिट इंडिया मूवमेंट के तहत जीजेयू और कालेजों में होंगी प्रतियोगिताएं

कल सुबह 10 बजे जीजेयू में पीएम मोदी के कार्यक्रम का होगा लाइव प्रसारण

जागरण संवाददाता, हिसार : पीएम मोदी 29 अगस्त को विश्व खेल दिवस पर फिट इंडिया मूवमेंट की शुरुआत करेंगे। इस कार्यक्रम को जीजेयू और कालेजों में लाइव टेलीकास्ट किया जाएगा। कार्यक्रम के आयोजन के लिए मंगलवार को जीजेयू में बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में डीएसडब्ल्यू प्रो. विनोद बिश्नोई के साथ खेल निदेशक डा. शशि भूषण लूथरा, एनएसएस कोर्डिनेटर व एनसीसी कोर्डिनेटर उपस्थित रहे। प्रो. विनोद बिश्नोई ने बताया कि प्रधानमंत्री के फिट इंडिया कार्यक्रम को चौधरी रणबीर सिंह सभागार में सुबह 10 बजे से लाइव प्रसारित किया जाएगा। इस कार्यक्रम में पीएम मोदी फिट रहने की शपथ भी दिलवाएंगे।

फिट इंडिया कार्यक्रम के लाइव प्रसारण के बाद जीजेयू में विभिन्न खेल प्रतियोगिताए भी आयोजित करवाई जाएगी। जिसमें हरियाणा स्कूल ऑफ बिजनेस के स्टूडेंट्स की ओर से भी 100 मीटर, 200 मीटर, 400 मीटर, क्रिकेट, फुटबाल, वॉलीबाल आदि खेलों में प्रतियोगिताएं आयोजित होंगी।

15 दिन तक चलेंगी प्रतियोगिताएं : इस कार्यक्रम के बाद 15 दिन तक जीजेयू और कालेजों में खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएगी।

जीजेयू में जियो साइंस सूचना विषय पर कार्यशाला 2 को

हिसार : जीजेयू के पर्यावरण विज्ञान एवं इंजीनियरिंग विभाग की ओर से वरिष्ठ माध्यमिक स्कूलों के शिक्षकों के लिए दो सितम्बर को 'जियो साइंस सूचना' विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा। कार्यशाला का उद्देश्य शिक्षकों में विज्ञान एवं भूगोल के प्रति जागरूकता पैदा करना है। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार तथा कुलसचिव डा. अनिल कुमार पुंडीर ने विभाग को इस आयोजन के लिए शुभकामनाएं दी हैं। विभागाध्यक्ष प्रो. आर बास्कर ने बताया कि शिक्षकों में आधुनिक अनुसंधानों से अवगत कराया जाएगा।

जीजेयू में बीटेक स्टूडेंट्स के लिए एमकैट टेस्ट का आयोजन

हिसार : जीजेयू के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल द्वारा तकनीकी शिक्षा गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम-3 (टीइक्यूआइपी-3) के अंतर्गत विश्वविद्यालय के पंडित दीनदयाल उपाध्याय कंप्यूटर एंड इंफोमेटिक्स सेंटर में एक्सपायरिंग माइंडस कंप्यूटर एडेप्टिव टेस्ट (एमकैट) का आयोजन किया गया।

ट्रेनिंग एंड प्लेसमैंट सेल के निदेशक प्रताप सिंह मलिक ने बताया कि मानव संसाधन विकास मंत्रालय के एनपीआइयू के निर्देशानुसार और तकनीकी शिक्षा गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम की फंडिंग से इस टैस्ट का आयोजन बीटेक प्रथम वर्ष से अंतिम वर्ष के सभी विद्यार्थियों के लिए निश्शुल्क कराया जा रहा है। प्लेसमेंट निदेशक ने एमकेट-2019 के आयोजन के लिए टीईक्यूआइपी-3 के समन्वयक प्रो. अम्बरीष पाण्डेय, सभी इंजीनियरिंग विभागों के अध्यक्ष, डा. सरदूल सिंह, मोना, निशा तथा ओएसडी प्लेसमेंट विवेक कुमार का आभार प्रकट किया है। ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट अधिकारी संजय सिंह ने बताया कि यह टेस्ट 27 अगस्त को बीटेक द्वितीय वर्ष, 28 को बीटेक तृतीय वर्ष, 29 अगस्त को बीटेक चतुर्थ वर्ष व 12 सितम्बर को बीटेक प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए आयोजित किया जा रहा है।

दैनिक जागरण - 28-8-2019

भारत का युवा पूरी दुनिया का भविष्य : कुलसचिव पुंडीर

हिसार, 29 अगस्त (निस)। गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलसचिव डा. अनिल कुमार पुंडीर ने कहा है कि भारत का युवा न केवल भारत का, बल्कि पूरी दुनिया का भविष्य है। आने वाले समय में हम अपने देश के साथ-साथ पूरी दुनिया को कौशलयुक्त मानव संसाधन उपलब्ध करवाने में सर्वोपरि होंगे। भारत 2025 तक दुनिया का सबसे युवा देश होगा।

डा. अनिल कुमार पुंडीर विश्वविद्यालय में बीटेक प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए चल रहे इंडक्शन कार्यक्रम को विषय विशेषज्ञ के तौर पर संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कार्यक्रम के संयोजक प्रो. विशाल गुलाटी ने की। डा. अनिल कुमार पुंडीर ने कहा कि वर्तमान युवा पीढ़ी मानव इतिहास की अत्यंत महत्वपूर्ण युवा पीढ़ी है। विज्ञान व तकनीकी के क्षेत्र में लगातार बदलाव आ रहे हैं। ऐसे में युवाओं को अपने उद्देश्य आरम्भ में ही निर्धारित कर लेने चाहिएं। युवा के पास विजन, दृष्टिकोण तथा कुछ भी करने की क्षमता होती है। जरूरत है उसे सही दिशा देने की।

डा. पुंडीर ने कहा कि इस विश्वविद्यालय में दाखिला लेने वाले विद्यार्थी भाग्यशाली हैं। विश्वविद्यालय का आधारभूत ढांचा तथा शैक्षणिक शोध व अन्य व्यवस्थाएं अत्यंत उच्चस्तर की हैं। विश्वविद्यालय का उद्देश्य आपको एक महान नागरिक बनाने के साथ-साथ रोजगारपरक व्यक्ति बनाना भी है। डा. पुंडीर ने कहा कि मनुष्य का मुख्य लक्ष्य खुश रहना होता है। इसलिए युवा अपने कुछ शौंक विकसित करें जिससे वे अपने आप को सृजनात्मक गतिविधियों में लगाने के साथ-साथ खुशी भी दे सकें। उन्होंने भौतिकी के नियम का उदाहरण देते हुए कहा कि इंडक्शन दो प्रकार को होता है। एक सेल्फ इंडक्शन तथा एक सामुहिक इंडक्शन। उनका मानना है कि सेल्फ इंडक्शन का सामुहिक इंडक्शन से ज्यादा महत्व है। उन्होंने विद्यार्थियों को सलाह दी कि वे खुद को जागरूक करें तथा समाज में भी जागृति पैदा करें।

विश्वविद्यालय के प्रोक्टर प्रो. संदीप राणा ने स्वयं प्रबंधन पर अपना व्याख्यान दिया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी खुद को विकसित करके ही अपने राष्ट्र व समाज को विकसित कर सकते हैं। व्यक्ति को अपनी सृजनात्मक शक्तियों के बारे में पूरी जानकारी होनी चाहिए। उनके अनुरूप कार्य करके ही व्यक्ति अपने उद्देश्य को प्राप्त कर सकता है। उन्होंने कहा कि शिक्षा को व्यक्तित्व के विकास व समाज से जोड़ने की जरूरत है।

नित्य शक्ति टाइम्स - 29-8-2019

विद्यार्थियों को जीजेयू में यूथ फेस्टिवल से पहले कई विधाओं में दी जाएगी ट्रेनिंग

प्रदर्शन के स्तर को बढ़ाना है उद्देश्य, 14 से 16 अक्टूबर तक होगा यूथ फेस्टिवल का आयोजन

जागरण संवाददाता, हिसार : जीजेयू में होने वाले 9वें यूथ फेस्टिवल में पहली बार स्टूडेंट्स को विवि की ओर से वर्कशॉप लगाकर विभिन्न विधाओं में ट्रेनिंग दी जाएगी। वर्कशॉप लगाने का उद्देश्य यूथ फेस्टिवल में परफॉरमेंस के स्तर को बढ़ाना है। स्टूडेंट्स को मुख्यतः फाइनआर्ट, डांस, वन एक्ट प्ले सहित अन्य विधाओं में ट्रेनिंग दी जाएगी। इससे जहां विभिन्न कॉलेजों के टीमों के प्रदर्शन में सुधार होगा। वहीं ट्रेनिंग लेकर स्टूडेंट्स यूथ फेस्टिवल में बेहतर प्रदर्शन भी कर सकेंगे। इस वर्कशॉप में यूनिवर्सिटी के स्टूडेंट्स के साथ-साथ जीजेयू के अंडर डिग्री कालेज के विद्यार्थी भी भाग ले सकेंगे। जीजेयू में यूथ फेस्टिवल का आयोजन 14 से 16 अक्तूबर तक किया जाएगा। जीजेयू में पिछले वर्ष आयोजित किए गए यूथ फेस्टिवल में हिसार का गवर्नमेंट पीजी कालेज ओवरऑल विजेता रहा था।

हरियाणवी संस्कृति के लिए होगा एक दिन का सेमिनार: इस बार यूथ फेस्टिवल के साथ ही हरियाणवी लोकल संस्कृति की झलक भी देखने को मिलेगी, यूथ फेस्टिवल के साथ ही यूनिवर्सिटी में एक दिन का हरियाणवी लोकल संस्कृति पर आधारित सेमिनार का भी आयोजन किया जाएगा। हरियाणवी संस्कृति का वर्तमान में परिप्रेक्ष्य विषय पर आधारित इस सेमिनार में विभिन्न विषय विशेषज्ञों के व्याख्यान आयोजित किए जाएंगे।

गुरुनानक देव जी पर आधारित रहेगा यूथ फेस्टिवल एक हिस्सा: इस बार यूथ फेस्टिवल में गुरु नानक देव जी को भी एक हिस्सा समर्पित किया गया है। गुरुनानक देव जी के 550वें प्रकाशोत्सव के तहत विवि प्रशासन ने यूथ फेस्टिवल से इसे जोड़ा है। इसके लिए एक क्विज कंपीटिशन का आयोजन किया जाएगा। जिसमें जीजेयू व कालेजों के स्टूडेंट्स भाग लेंगे। क्विज कंपीटिशन की तैयारी के लिए विवि की ओर से कॉलेजों को सूचना भेजी गई है। स्टूडेंट्स को क्विज कंपीटिशन के लिए कालेज द्वारा ही तैयार किया जाएगा।

इवेंट्स की अवधि को लेकर होगी बैठक

यूथ फेस्टिवल में होने वाली विभिन्न स्पर्धाओं की अवधि के लिए बैठक का आयोजन किया जाएगा। जिसमें यूथ फेस्टिवल में होने वाले इवेंट्स की अवधि को लेकर विचार-विमर्श होगा। विवि ने पिछले वर्ष विधाओं की अवधि को बढ़ाते हुए 6 से 8 की बजाय 8 से 10 मिनट तक बढ़ाया था। विवि इस बार भी विधाओं की अवधि में बदलाव कर सकता है। वहीं पिछले वर्ष की तरह हरियाणवी आर्केस्ट्रा का भी आयोजन होगा।

टीमों को दिए जाएंगे कोड

यूथ फेस्टिवल में भाग लेने वाले विभिन्न कालेजों व यूनिवर्सिटी की टीमों को कोड दिए जाएंगे। विवि की ओर से कोड सिस्टम पिछले वर्ष से ही शुरू किया गया था। कोड सिस्टम यूथ फेस्टिवल में काफी सफल रहा था और इससे टीमों को प्रस्तुति के दौरान दर्शकों की हूटिंग का सामना भी नहीं करना पड़ा। जिसके चलते यूनिवर्सिटी प्रशासन इस बार भी कोड प्रणाली अपना सकता है। वहीं यूथ फेस्टिवल में भीड़ से होने वाली अव्यवस्था से बचने के लिए भी व्यापक प्रबंध किए जाएंगे। डीएसओ विनोद बिश्नोई ने बताया कि पिछले वर्ष आयोजित किए गए यूथ फेस्टिवल में पहले व आखिरी दिन भीड़ के कारण अव्यवस्था हुई थी। जिसके लिए अबकी बार व्यापक इंतजाम किए गए है।

इन विधाओं में आयोजित होगा यूथ फेस्टिवल

- हरियाणवी आर्केस्ट्रा
- फोक हरियाणवी सोलो इंस्ट्रमेंट
- इंडियन क्लासिकल ऑर्केस्ट्रा
- मिमिक्री
- सोलो सोंग हरियाणवी
- ग्रुप सोंग हरियाणवी
- माइम
- इंडियन क्लासिकल आर्केस्ट्रा
- क्लासिकल डांस
- वन एक्ट प्ले, संस्कृत
- क्लासिकल वोकल सोलो
- क्लासिकल इंस्ट्रूमेंटल सोलो
- लाइट इंडियन वोकल सोलो
- फॉक सांग जनरल
- कव्वाली

दैनिक जागरण - 29-8-2019

जीजेयू में विद्यार्थियों को 250 घंटों की ट्रेनिंग के साथ मुफ्त मिलेंगे 450 वीडियो लेक्चर और पठन सामग्री

जागरण संवाददाता, हिसार : जीजेयू के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल की ओर से तकनीकी शिक्षा गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम-3 (टीईक्यूआईपी-3) के अंतर्गत विश्वविद्यालय में बीटेक तृतीय व चतुर्थ वर्ष के विद्यार्थियों के लिए ग्रेजुएट एप्टीट्यूड टेस्ट फॉर इंजीनियरिंग गेट की इन हाउस ट्रेनिंग दो सितंबर से शुरू की जाएगी।

गुजवि में मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टेंडिंग का आदान-प्रदान करते निदेशक प्रताप सिंह मलिक व कार्यकारी अधिकारी प्रियांशवर्धन जैन। ● जागरण

विश्वविद्यालय की ओर से ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के निदेशक प्रताप सिंह मलिक व नई दिल्ली स्थित गेट कोच कंपनी की ओर से कार्यकारी अधिकारी प्रियांशवर्धन जैन ने एक मैमोरेंडम ऑफ अंडरस्टेंडिंग पर हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर टीईक्यूआइपी-3 के समन्वयक प्रो. अम्बरीष पाण्डेय, डा. पंकज तिवारी, ट्रेनिंग एंड प्लेसमैंट अधिकारी संजय सिंह व गेट कोच के कॉलेज कोर्डिनेटर हर्ष तोमर उपस्थित रहे।

प्रियांशवर्धन जैन ने विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के सेमीनार हॉल में उपस्थित ट्रेनिंग के इच्छुक कंप्यूटर साईस एंड इंजीनियरिंग, इंफोर्मेशन टेक्नोलॉजी, इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग और मैकेनिकल इंजीनियरिंग के 120 विद्यार्थियों को बताया कि गेट की कोचिंग से विद्यार्थियों को पब्लिक सेक्टर अंडरटेकिंग कम्पनियों में रोजगार की संभावनाएं बढ़ती हैं आइआइटी, आइआइएससी व एनआइटी जैसी शीर्ष संस्थाओं में स्नातकोत्तर कक्षाओं में प्रवेश मिलता है। उन्होंने बताया कि 2020 की गेट परीक्षा 01, 02, 08 व 09 फरवरी 2019 को होगी।

ऑनलाइन पंजीकरण 03 सितम्बर 2018 से शुरू होकर 24 सितम्बर 2018 तक होंगे। 16 मार्च को गेट के परिणाम घोषित होंगे। इस परीक्षा के लिए 25 विषयों में से कोई विषय विद्यार्थी चुन सकते हैं। इस बार गेट का आयोजन आइआइटी दिल्ली कर रही है। रजिस्ट्रेशन लिंक जीएटीईडॉटआईआईटीडीडॉटएसीडॉटइन है। गेट टैस्ट पूरी तरह कंप्यूटर बेस्ड होता है। गेट परीक्षा का परिणाम आने के तीन सालों तक गेट स्कोर वेलिड रहता है।

निदेशक प्रताप सिंह मलिक ने कहा कि विश्वविद्यालय में यह ट्रेनिंग 02 सितम्बर से 16 नवम्बर तक चलेगी। इसमें तीन बैच बनाए गए हैं, जिसमें कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग व इंफोर्मेशन टेक्नोलॉजी के 60, इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग के 30 तथा मैकेनिकल इंजीनियरिंग के 30 विद्यार्थी तीन बैचों में सोमवार से शुक्रवार तक सायं 3 बजे से 6 बजे तक तथा शनिवार व रविवार को सुबह 9 बजे से 5 बजे तक गेट की कोचिंग लेंगे। इस कार्यक्रम में 250 घंटो की क्लासरूम ट्रेनिंग के साथ-साथ 450 घंटो के वीडियो लेक्चर और प्रिंटेड मैटेरियल विद्यार्थियों को निःशुल्क उपलब्ध करवाया।

दैनिक जागरण - 30-8-2019

2 सितंबर से शुरू होगी 'ग्रेजुएट एप्टीट्यूड टेस्ट फॉर इंजीनियरिंग' की ट्रैनिंग

हिसार(सच कहूँ न्यूज)।

गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एंड प्लेसमैंट सैल के सौजन्य से तकनीकी शिक्षा गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम-3 के अंतर्गत विश्वविद्यालय में बीटेक तृतीय व चतुर्थ वर्ष के विद्यार्थियों के लिए ग्रेजुएट एप्टीट्यूड टेस्ट फॉर इंजीनियरिंग यानि गेट की इन हाउस ट्रेनिंग दो सितम्बर से शुरू की जा रही है। इस सम्बंध में विश्वविद्यालय की ओर से ट्रेनिंग एंड प्लेसमैंट सैल के निदेशक प्रताप सिंह मलिक व नई दिल्ली स्थित गेट कोच कम्पनी की ओर से कार्यकारी अधिकारी प्रियांशवर्धन जैन ने एक मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टेंडिंग पर हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर टीईक्यूआईपी-3 के समन्वयक प्रो. अम्बरीष, डॉ. पंकज तिवारी, ट्रेनिंग एंड प्लेसमैंट अधिकारी संजय सिंह व गेट कोच के कॉलेज कोर्डिनेटर हर्ष तोमर उपस्थित रहे।

विद्यार्थियों को जानकारी देते हुए निदेशक प्रताप सिंह मलिक ने बताया कि 2020 की गेट परीक्षा 01, 02, 08 व 09 फरवरी 2019 को होगी। ऑनलाइन पंजीकरण 03 सितम्बर 2018 से शुरू होकर 24 सितम्बर 2018 तक होंगे। 16 मार्च को गेट के परिणाम घोषित होंगे। इस परीक्षा के लिए 25 विषयों में से कोई विषय विद्यार्थी चुन सकते हैं। इस बार गेट का आयोजन आईआईटी दिल्ली कर रही है।

इस अवसर पर प्रियांशवर्धन जैन ने विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एंड प्लेसमैंट सैल के सेमीनार हॉल में उपस्थित 120 विद्यार्थियों को सम्बोधित किया। उन्होंने बताया कि गेट की कोचिंग से विद्यार्थियों को पब्लिक सेक्टर अंडरटेकिंग कम्पनियों में रोजगार की संभावनाएं बढ़ती हैं तथा आईआईटी, आईआईएससी व एनआईटी शीर्ष संस्थाओं में स्नातकोत्तर कक्षाओं में प्रवेश मिलता है।

कार्यक्रम

फिट इंडिया अभियान के शुभारंभ के अवसर पर चौधरी रणबीर सिंह सभागार में समारोह का आयोजन

फिट इंडिया राष्ट्र को स्वस्थ बनाने में क्रांतिकारी कदम साबित होगा : प्रो. टंकेश्वर

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। जीजेयू में राष्ट्रीय खेल दिवस के उपलक्ष्य पर वीरवार 'को फिट इंडिया अभियान के शुभारंभ के अवसर पर चौधरी रणबीर सिंह सभागार में समारोह का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों व विद्यार्थियों ने प्रधानमंत्री के कार्यक्रम को लाइव देखा। माउंट एवरेस्ट पर विश्वविद्यालय का लोगों अपने साथ लेकर सफलतापूर्वक पहुंचने वाली विश्वविद्यालय की छात्रा मनीषा को समारोह में सम्मानित किया गया। इस अवसर पर कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व कुलसचिव डॉ. अनिल कुमार पुंडीर उपस्थित रहे।

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि यह अत्यंत ही प्रेरणादायक अभियान है। प्रधानमंत्री इससे पहले भी समाज व राष्ट्रहित के अभियानों से देश को जागृत करते रहे हैं। फिट इंडिया अभियान राष्ट्र को शारीरिक और मानसिक रूप से और अधिक स्वस्थ बनाने में क्रांतिकारी कदम साबित होगा। विश्वविद्यालय में इस अभियान के तहत कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। एक से 15 सितंबर तक कार्यक्रमों की एक श्रृंखला तैयार की गई है। इन कार्यक्रमों का कैलेंडर भी इस अवसर पर जारी किया गया।

जीजेयू में खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाते विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार एवं कुलसचिव डॉ. अनिल कुमार पुंडीर। - अमर उजाला

फिट इंडिया मूवमेंट का हिस्सा बना ब्लूमिंग डेल्स स्कूल

हिसार। सेक्टर-15 स्थित ब्लूमिंग डेल्स स्कूल के प्रांगण में वीरवार को प्रधानमंत्री द्वारा चलाई गई फिट इंडिया मूवमेंट के तहत विभिन्न खेलों का आयोजन किया गया। स्कूल निदेशक हिमांशु शर्मा ने कहा कि आयोजन का मुख्य उद्देश्य बच्चों को अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना रहा। उन्होंने कहा कि यदि हम शारीरिक रूप से स्वस्थ नहीं होंगे तो कभी भी मानसिक रूप से उन्नति नहीं कर पाएंगे। इस मौके पर बच्चों में विभिन्न प्रतियोगिताएं कराई गईं। कार्यक्रम में प्रधानाचार्य रीटा शर्मा व स्कूल स्टाफ सदस्य मौजूद थे।

अधिकारियों व कर्मचारियों ने ली फिट रहने की शपथ

हिसार। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से लॉन्च किए गए फिट इंडिया मूवमेंट कार्यक्रम का सीधा प्रसारण नगर निगम प्रशासन द्वारा जिंदल ज्ञान केंद्र में किया गया। इस दौरान संयुक्त आयुक्त सुरेश कस्वां, अधीक्षक अभियंता रामजीलाल, डीएमसी डॉ. प्रदीप हुड्डा, एक्सईएन एचके शर्मा, संदीप कुमार, एमई प्रवीण कुमार, प्रवीण गंगवानी, जेई रामदिया शर्मा, सीपीओ संदीप पूनिया सहित निगम के कई अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे। सभी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर फिट रहने व जल बचाने की शपथ ली।

अमर उजाला - 30-8-2019

अब डिस्टेंस और रेगुलर का एक जैसा होगा सिलेबस, साथ होंगी सेमेस्टर वाइज परीक्षाएं

यूजीसी के डिस्टेंस ब्यूरो के पत्र के बाद गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय ने लिया फैसला

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। विश्वविद्यालय के दूरस्थ शिक्षा विभाग यानी डिस्टेंस से पढ़ाई करने वाले और विश्वविद्यालयों में रेगुलर पढ़ाई करने वाले विद्यार्थियों का सिलेबस अब एक जैसा होगा।

यही नहीं, डिस्टेंस और रेगुलर से पढ़ाई करने वाले सभी विद्यार्थियों की परीक्षाएं भी एक साथ होंगी और प्रश्न पत्र भी एक जैसे ही रहेंगे। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा विश्वविद्यालयों को भेजे गए पत्र के बाद गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय ने करीब आधे कोर्सों के विषयों को रेगुलर कोर्सों के समकक्ष कर दिया है।

अब इन विषयों की परीक्षाएं भी सेमेस्टर वाइज होंगी। वहीं, बाकी कोर्सों को भी जल्द ही रेगुलर के समकक्ष किया जाएगा।

> *डिस्टेंस और रेगुलर के विद्यार्थियों की परीक्षाएं अब एक ही समय पर होंगी और सिलेबस भी एक जैसा ही होगा। इस एकरूपता से डिस्टेंस के विद्यार्थियों के साथ विश्वविद्यालय प्रशासन का भी समय और पैसा बचने से फायदा होगा।*
>
> *- प्रो. टंकेश्वर कुमार, कुलपति, गुजवि।*

यह होंगे फायदे

खर्च कम होगा : यूजीसी के इस फैसले से अलग-अलग समय पर होने वाली परीक्षाओं के खर्च में कमी आएगी। सभी प्रश्न पत्र एक साथ छपने और एक ही समय पर परीक्षा होने से कई तरह के खर्चों में स्वतः कटौती होगी।

समय की बचत : इससे विद्यार्थियों, शिक्षकों और विश्वविद्यालय प्रशासन का समय बचेगा। परीक्षा एक साथ होंगी तो बार-बार शिक्षकों की ड्यूटी नहीं लानी पड़ेगी। एक महीने में रेगुलर परीक्षाओं के साथ ही डिस्टेंस की भी परीक्षाएं हो जाएंगी।

करियर में दिक्कत नहीं : कई बार विद्यार्थियों को डिस्टेंस की डिग्री के कारण नौकरी में दिक्कत आती थी, लेकिन अब ऐसा नहीं होगा। एक जैसे सिलेबस में से एक जैसे प्रश्न पत्र और एक साथ परीक्षाएं होने से डिग्री को लेकर किसी भी नौकरी में कोई दिक्कत नहीं आएगी।

सेमेस्टर परीक्षा से विद्यार्थियों को पढ़ने में आसानी : डिस्टेंस की परीक्षाएं पहले एक वर्ष में तब होती थीं, जब रेगुलर विद्यार्थियों की परीक्षाएं खत्म हो जाती थीं। अब ऐसा नहीं होगा। विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार डिस्टेंस में एमबीए की परीक्षा पहले भी सेमेस्टर वाइज होती थीं। इस बार कुछ अन्य विषयों एमए मास कम्यूनिकेशन, बीकॉम, बीए मास कम्यूनिकेशन आदि की परीक्षाएं भी सेमेस्टर वाइज ही होंगी। इससे विद्यार्थियों का सिलेबस दो भागों में बंट जाएगा और उन्हें पढ़ने में आसानी होगी।

अमर उजाला - 31-8-2019